

## अभ्यास-1 : विगत वर्षों के CTET एवं STET के प्रश्न

1. 'विकास कभी न समाप्त होने वाली प्रक्रिया है।' यह विचार किससे सम्बंधित है?  
[CTET-2011-I]  
 (a) एकीकरण का सिद्धान्त  
 (b) अंतःक्रिया का सिद्धान्त  
 (c) अंतःसम्बंध का सिद्धान्त  
 (d) निरन्तरता का सिद्धान्त
2. बच्चों के बौद्धिक विकास की चार विशिष्ट अवस्थाओं की पहचान की गई-  
[CTET & UPTET-2011-I]  
 (a) स्किनर द्वारा (b) पियाजे द्वारा  
 (c) कोहलबर्ग द्वारा (d) एरिक्सन द्वारा
3. 'सीखने के अन्तःदृष्टि सिद्धान्त' को किसने बढ़ावा दिया?  
[CTET-2011-I]  
 (a) जीन पियाजे  
 (b) वाइगोट्स्की  
 (c) 'गेस्टाल्ट' सिद्धान्तवादी  
 (d) पैब्लोव
4. वह कौन-सा स्थान है जहाँ बच्चे के 'संज्ञात्मक' विकास को सबसे बेहतर तरीके से परिभाषित किया जा सकता है?  
[CTET-2011-I]  
 (a) सभागार  
 (b) घर  
 (c) खेल का मैदान  
 (d) विद्यालय एवं कक्षा पर्यावरण
5. वह अवस्था जब बच्चा तार्किक रूप से वस्तुओं व घटनाओं के विषय में चिन्तन प्रारम्भ करता है-  
[CTET-2011-I]  
 (a) पूर्व-संक्रियात्मक अवस्था  
 (b) मूर्त-संक्रियात्मक अवस्था  
 (c) संवेदी-प्रेरक अवस्था  
 (d) औपचारिक-संक्रियात्मक अवस्था
6. पियाजे के अनुसार, निम्नलिखित में से कौन-सी अवस्था में बच्चा अमूर्त संकल्पनाओं के विषय में तार्किक चिन्तन करना आरम्भ करता है?  
[CTET-2011-I]  
 (a) संवेदी-प्रेरक अवस्था (जन्म-2 वर्ष)  
 (b) पूर्व-संक्रियात्मक अवस्था (जन्म-2-7 वर्ष)  
 (c) मूर्त-संक्रियात्मक अवस्था (जन्म 7-11 वर्ष)  
 (d) औपचारिक-संक्रियात्मक अवस्था (11 वर्ष एवं ऊपर)
7. 'बच्चे दुनिया के बारे में अपनी समझ का सुजन करते हैं।' इसका अर्थ..... को जाता है।  
[CTET-2011-I]  
 (a) कोहलबर्ग (b) स्किनर  
 (c) पियाजे (d) पैब्लोव
8. मानव विकास कुछ विशेष सिद्धान्तों पर आधारित है। निम्नलिखित में से कौन-सा मानव विकास का सिद्धान्त नहीं है?  
[CTET-2011-II]  
 (a) प्रतिवर्ती (b) निरंतरता  
 (c) अनुक्रमिकता (d) सामान्य से विशिष्ट
9. अनुवांशिकता को.....सामाजिक संरचना माना जाता है।  
[CTET-2011-II]  
 (a) स्थिर (b) प्रार्थमिक  
 (c) गौण (d) गत्यात्मक
10. पियाजे के अनुसार, विकास की पहली अवस्था (जन्म से लगभग 2 वर्ष आयु तक) के दौरान बच्चा.....सबसे बेहतर सीखता है।  
[CTET-2011-II]  
 (a) भाषा के नए अर्जित ज्ञान के अनुप्रयोग द्वारा  
 (b) इंद्रियों के प्रयोग द्वारा  
 (c) निष्क्रिय (neutral) शब्दों को समझने के द्वारा  
 (d) अमूर्त तरीके से चिन्तन द्वारा
11. अवधारणाओं का विकास मुख्य रूप से.....का हिस्सा है।  
[CTET-2011-II]  
 (a) सामाजिक विकास  
 (b) संवेगात्मक विकास  
 (c) बौद्धिक विकास  
 (d) शारीरिक विकास
12. 'बच्चे के उचित विकास को सुनिश्चित करने के लिए उसका स्वस्थ शारीरिक विकास एक महत्वपूर्ण पूर्व आवश्यकता है।' यह कथन-  
[CTET-2011-II]  
 (a) सही है, क्योंकि शारीरिक विकास, विकास के अन्य पक्षों के साथ अंतःसम्बन्धित है।  
 (b) गलत है, क्योंकि शारीरिक विकास, विकास के अन्य पक्षों को किसी भी प्रकार से भी प्रभावित नहीं करता।  
 (c) गलत हो सकता है, क्योंकि विकास नितान्त व्यक्तिगत मामला है।  
 (d) सही है, क्योंकि विकास-क्रम में शारीरिक विकास सबसे पहले स्थान पर आता है।

13. 'खिलौनों को आयु' कहा जाता है-

[RTET-2011-I]

- (a) पूर्व-बाल्यावस्था को
- (b) उत्तर बाल्यावस्था को
- (c) शैशवावस्था को
- (d) इनमें से सभी

14. निम्न में से कौन-सो पूर्व बाल्यावस्था को विशेषता नहीं है? [RTET-2011-I]

- (a) दल/समूह में रहने की अवस्था
- (b) अनुकरण करने की अवस्था
- (c) प्रश्न करने की अवस्था
- (d) खेलने की अवस्था

15. उत्तर बाल्यावस्था में बालक भौतिक वस्तुओं के किस आवश्यक तत्व में परिवर्तन समझने लगते हैं? [RTET-2011-I]

- (a) द्रव्यमान
- (b) द्रव्यमान और संख्या
- (c) संख्या
- (d) द्रव्यमान, संख्या और क्षेत्र

16. विकास का अर्थ है- [RTET-2011-I]

- (a) परिवर्तनों की उत्तरोत्तर शृंखला
- (b) अभिप्रेरणा के फलस्वरूप होने वाले परिवर्तनों की उत्तरोत्तर शृंखला
- (c) अभिप्रेरणा एवं अनुभव के फलस्वरूप होने वाले परिवर्तनों की उत्तरोत्तर शृंखला
- (d) परिपक्वता एवं अनुभव के फलस्वरूप होने वाले परिवर्तनों की शृंखला

17. विकास के सन्दर्भ में निम्न में से कौन-सा कथन सत्य नहीं है? [RTET-2011-I]

- (a) विकास की प्रत्येक अवस्था के अपने खतरे हैं
- (b) विकास उकसाने/बढ़ावा देने से नहीं होता है
- (c) विकास सांस्कृतिक परिवर्तनों से प्रभावित होता है
- (d) विकास की प्रत्येक अवस्था की अपनी विशेषताएँ होती हैं।

18. निम्न में से कौन-सा विकासालम्बक कार्य उत्तर बाल्यावस्था के उपयुक्त नहीं है? [RTET-2011-I]

- (a) सामान्य खेलों के लिये आवश्यक शारीरिक कुशलताएँ सीखना
- (b) पुरुषोचित या स्त्रियोचित सामाजिक भूमिकाओं को प्राप्त करना
- (c) वैयक्तिक आत्मनिर्भरता प्राप्त करना
- (d) अपने हमउम्र बालकों के साथ रहना सीखना।

19. कौन सिद्धान्त व्यक्त करता है कि मानव मस्तिष्क एक बर्फ की चट्टान के समान है जो कि अधिकांशतः छिपी रहती है एवं उसमें चेतन के तीन स्तर हैं? [RTET-2011-I]

- (a) गुण सिद्धान्त
- (b) प्रकार सिद्धान्त
- (c) मनोविश्लेषणात्मक सिद्धान्त
- (d) व्यवहारवाद सिद्धान्त

20. निम्न में से कौन-सा कथन विकास के बारे में सत्य नहीं है? [RTET-2011-II]

- (a) विकास अन्तःक्रिया का फल है
- (b) विकास एक व्यवस्थित शृंखला का अनुगामी है
- (c) विकास एक व्यक्तिगत प्रक्रिया है
- (d) विकास विशिष्ट से सामान्य की ओर होता है।

21. बालकों की सोच अमूर्तता की अपेक्षा मूर्त अनुभवों एवं प्रत्ययों से होती है। यह अवस्था है-

[RTET-2011-II]

- (a) 7 से 12 वर्ष तक
- (b) 12 से बयस्क तक
- (c) 2 से 7 वर्ष तक
- (d) जन्म से 2 वर्ष तक

22. मानव विकास किन दोनों के योगदान का परिणाम है? [RTET-2011-II]

- (a) अभिभावक एवं अध्यापक का
- (b) सामाजिक एवं सांस्कृतिक कारकों का
- (c) वंशक्रम एवं वातावरण का
- (d) इनमें से कोई नहीं।

23. निम्न में से कौन पियाजे के अनुसार बौद्धिक विकास का निर्धारक तत्व नहीं है? [RTET-2011-II]

- (a) सामाजिक संचरण
- (b) अनुभव
- (c) सन्दुलनीकरण
- (d) इनमें से कोई नहीं।

24. फ्रायड, पियाजे एवं अन्य मनोवैज्ञानिकों ने व्यक्तित्व की विभिन्न अवस्थाओं के सन्दर्भ में व्याख्या की है। परन्तु पियाजे ने-

[RTET-2011-II]

- (a) कहा कि विकास की अवस्थाएँ वातावरण से निर्धारित होती हैं
- (b) कहा कि शैशवावस्था के अनुभव ही अधिक प्रभावित करते हैं, बाकी अवस्थाओं के सीमित प्रभाव होते हैं
- (c) विभिन्न अवस्थाओं को समझने के लिए संज्ञातात्मक बदलाव के बारे में कहा
- (d) इनमें से कोई नहीं।

25. वह स्तर जिसमें बच्चा किसी वस्तु एवं घटना के बारे में तार्किक रूप से सोचना शुरू करता है, कहा जाता है- [UPTET-2011-II]
- संवेदन प्रणोद अवस्था
  - औपचारिक क्रियात्मक अवस्था
  - पूर्व-क्रियात्मक अवस्था
  - मूर्त-क्रियात्मक अवस्था।
26. बचपन का सांक्रांतिक दृष्टिकोण की मान्यता है- [UPTET-2011-II]
- बहुत तरीके से बच्चे प्राप्तव्यस्कों के बराबर होते हैं
  - बच्चों को युवा प्राप्तव्यस्कों के रूप में सबसे अच्छा माना जाता है
  - बचपन आधारीक रूप से 'प्रतीक्षा अवधि' है
  - बचपन वृद्धि एवं परिवर्तन की एक अनूठी अवधि है।
27. मानवीय मूल्यों, जो प्रकृति में सार्वत्रिक हैं, के विकास का अर्थ है- [UPTET-2011-II]
- मतागोपण
  - अंगीकरण
  - अनुकरण
  - अभिव्यक्ति।
28. निम्न में से किस स्तर में बच्चे अपने समकक्षी वर्ग के सक्रिय सदस्य बनते हैं? [UPTET-2011-II]
- किशोरावस्था
  - वयस्कावस्था
  - प्राक् बाल्यावस्था
  - बाल्यावस्था।
29. बाल विकास की परिभाषा का अध्ययन-क्षेत्र है जो- [UPTET-2011-II]
- मानवीय सामर्थ्यों में परिवर्तन का परीक्षण करता है
  - जीवन अवधि के दौरान व्यवहार की व्याख्या दूँगा
  - बच्चों की वयस्क तथा वरिष्ठ नागरिकों के साथ तुलना करेगा
  - किसी बच्चे का संज्ञानात्मक, सामाजिक तथा दूसरे सामर्थ्यों का क्रमिक विकास के लिए उतरदायी होगा।
30. पियाजे के अनुसार संज्ञानात्मक बाल विकास की कितनी अवस्थाएँ हैं? [CGTET-2011-II]
- 3 अवस्थाएँ
  - 4 अवस्थाएँ
  - 5 अवस्थाएँ
  - 6 अवस्थाएँ
31. लारेंस कोह्लबर्ग विकास के क्षेत्र में शोध के लिए जाने जाते हैं: [CGTET-2011-II]
- संज्ञानात्मक
  - शारीरिक
  - नैतिक
  - गामक
32. पियाजे के अनुसार बच्चा अमूर्त स्तर पर चिंतन, बौद्धिक क्रियाएँ और समस्या समाधान किस अवस्था में करने लगता है? [CGTET-2011-II]
- पूर्व-संक्रियात्मक अवस्था (2-7 वर्ष)
  - मूर्त-संक्रियात्मक अवस्था (7-11 वर्ष)
  - औपचारिक संक्रियात्मक अवस्था (11-16 वर्ष)
  - संवेदी पेशीय अवस्था (0-2 वर्ष)
33. बिग व हंट अनुसार ..... की विशेषताओं को सर्वोत्तम रूप से व्यक्त करने वाला एक शब्द है "परिवर्तन"। परिवर्तन शारीरिक, सामाजिक और मनोवैज्ञानिक होता है। [CGTET-2011-II]
- शैशवावस्था
  - बाल्यावस्था
  - किशोरावस्था
  - पौढावस्था
34. एक 13 वर्षीय बालक बात-बात में अपने बड़ों से झगड़ा करने लगता है और हमेशा स्वयं को सही साबित करने की कोशिश करता है। वह विकास की किस अवस्था में है? [CGTET-2011-II]
- प्रारम्भिक बाल्यावस्था
  - किशोरावस्था
  - युवावस्था
  - बाल्यावस्था
35. शिक्षा मनुष्य में अंतर्निहित क्षमता का परिपूर्णता में विकास करते हैं। यह कथन किसका है? [CGTET-2011-II]
- स्वामी विवेकानन्द
  - स्कौनर
  - पेस्टालोजी
  - रविन्द्रनाथ टैगोर
36. बालक के शारीरिक व क्रियात्मक विकास की दिशा होती है: [CGTET-2011-II]
- सिर से पैर तथा शरीर के बाहर से मध्य की ओर
  - सिर से पैर तथा शरीर के मध्य से बाहर की ओर
  - पैर से सिर तथा शरीर के बाहर से मध्य की ओर
  - पैर से सिर तथा शरीर के मध्य से बाहर की ओर।

37. मानव-व्यक्तित्व परिणाम है-

[CTET-Jan. 2012-I]

- (a) आनुवंशिकता और वातावरण की अंतःक्रिया का
- (b) केवल वातावरण का
- (c) केवल आनुवंशिकता का
- (d) पालन-पोषण और शिक्षा का।

38. वाइगोट्स्की बच्चों के सीखने में निम्नलिखित में से किस कारक की महत्वपूर्ण भूमिका पर बल देते हैं?

[CTET-Jan. 2012-I]

- (a) नैतिक
- (b) शारीरिक
- (c) सामाजिक
- (d) आनुवंशिक

39. मानव विकास को क्षेत्रों में विभाजित किया जाता है, जो हैं-

[CTET-Jan. 2012-I]

- (a) संवेगात्मक, संज्ञानात्मक, आध्यात्मिक और सामाजिक- मनोवैज्ञानिक
- (b) मनोवैज्ञानिक, संज्ञानात्मक, संवेगात्मक और शारीरिक
- (c) शारीरिक, आध्यात्मिक, संज्ञानात्मक और सामाजिक
- (d) शारीरिक, संज्ञानात्मक, संवेगात्मक और सामाजिक।

40. निम्नलिखित में से कौन-सा विकास का सिद्धांत है?

[CTET-Jan. 2012-I]

- (a) विकास हमेशा रेखीय होता है
- (b) यह निरंतर चलने वाली प्रक्रिया नहीं है
- (c) विकास की सभी प्रक्रियाएँ अंतःसम्बन्धित नहीं हैं
- (d) सभी की विकास दर समान नहीं होती है।

41. जब बच्चे की दाढ़ी उसे उसकी माँ की गोद से लेती है, तो बच्चा रोने लगता है। बच्चा ..... के कारण रोता है। [CTET-Jan. 2012-I]

- (a) संवेगात्मक दुर्बिचता
- (b) अजनबी दुर्बिचता
- (c) वियोग दुर्बिचता
- (d) सामाजिक दुर्बिचता

42. कोहलबर्ग के अनुसार, शिक्षक बच्चों में नैतिक मूल्यों का विकास कर सकता है-

[CTET-Jan. 2012-I]

- (a) व्यवहार के स्पष्ट नियम बनाकर
- (b) नैतिक मुद्दों पर आधारित चर्चाओं में उन्हें शामिल करके
- (c) 'कैसे व्यवहार किया जाना चाहिए' इस पर कठोर निर्देश देकर
- (d) धार्मिक शिक्षा को महत्व देकर-

43. पियाजे के संज्ञानात्मक विकास के चरणों के अनुसार, इन्द्रिय-गामक (संवेदी-प्रेरक) अवस्था किसके साथ सम्बन्धित है?

[CTET-Jan. 2012-I]

- (a) तार्किक रूप से समस्या-समाधान की योग्यता
- (b) विकल्पों के निर्वचन और विश्लेषण करने की योग्यता
- (c) सामाजिक मुद्दों से संरोकार
- (d) अनुकरण, स्मृति और मानसिक निरूपण।

44. विकास शुरू होता है-

[CTET-2012-II]

- (a) उत्तर-बाल्यावस्था से
- (b) प्रसव-पूर्व अवस्था से
- (c) शैशवावस्था से
- (d) पूर्व-बाल्यावस्था से।

45. चिन्तन अनिवार्य रूप से है एक-

[CTET-2012-II]

- (a) संज्ञानात्मक गतिविधि
- (b) मनोगतिक प्रक्रिया
- (c) मनोवैज्ञानिक परिचटना
- (d) भावात्मक व्यवहार।

46. पियाजे के अधिगम के संज्ञानात्मक सिद्धान्त के अनुसार, वह प्रक्रिया जिसके द्वारा संज्ञानात्मक संरचना को संशोधित किया जाता है, ..... कहलाती है। [CTET-2012-II]

- (a) प्रत्यक्षण
- (b) समायोजन
- (c) समावेशन
- (d) स्कोमा

47. कोहलबर्ग के अनुसार, सही और गलत के प्रश्न के बारे में निर्णय लेने में शामिल चिन्तन-प्रक्रिया को कहा जाता है-

[CTET-2012-II]

- (a) सहयोग की नैतिकता
- (b) नैतिक तर्कणा
- (c) नैतिक यथार्थवाद
- (d) नैतिक दुविधा।

48. निम्नलिखित में से कौन-सा मुख्य रूप से आनुवंशिकता सम्बन्धी कारक है?

[CTET-2012-II]

- (a) आँखों का रंग
- (b) सामाजिक गतिविधियों में भागीदारी
- (c) समकक्ष व्यक्तियों के समूह के प्रति अभिवृत्ति
- (d) चिन्तन पैटर्न।

49. निम्नलिखित में से ..... के अतिरिक्त सभी वातावरणीय कारक विकास को आकार देते हैं।  
[CTET-2012-II]

(a) पौष्टिकता की गुणवत्ता  
(b) संस्कृति  
(c) शिक्षा की गुणात्मकता  
(d) शारीरिक गठन

50. पिपाजे के अनुसार, संज्ञात्मक विकास को किस चरण पर बच्चे 'वस्तु स्थायित्व' को प्रदर्शित करता है?  
[CTET-2012-II]

(a) मूर्त-संक्रियात्मक चरण  
(b) औपचारिक संक्रियात्मक चरण  
(c) संवेदीप्रारंभिक चरण  
(d) पूर्व-संक्रियात्मक चरण

51. बच्चे द्वारा 'संकल्पना-निर्माण' के संबंध में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सही है?  
[CTET-May-2012-II]

(a) संकल्पनाएँ संवेगात्मक रूप से सुव्यवस्थित होती हैं  
(b) संकल्पना-विकास को एक निश्चित संरचनात्मक व्यवस्था (Pattern) होती है  
(c) संकल्पनाओं को प्रकृति पदानुक्रमिक नहीं होती  
(d) संकल्पनाएँ वैयक्तिक नहीं होतीं।

52. किशोरों के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सर्वाधिक उचित है?  
[CTET-May-2012-II]

(a) संवेगात्मक प्रोत्थान को घटना बढ़ जाती है  
(b) पढ़ाई के प्रति लापरवाह रवैया  
(c) चिंतन का मूर्त क्रियाओं में प्रदर्शित होना  
(d) बुद्धि-लब्धियों में अकस्मात् बुद्धि।

53. 'मानसिक विकास की औपचारिक संक्रियात्मक अवस्था' की मुख्य विशेषता है-  
[CTET-May-2012-II]

(a) अमूर्त चिंतन  
(b) मूर्त चिंतन  
(c) सामाजिक चिंतन  
(d) अहम्-केन्द्रित व्यवहार

54. बच्चों में नैतिक मूल्यों को विकसित करने का सर्वाधिक उचित तरीका है-  
[CTET-May-2012-II]

(a) प्रातःकालीन सभा में बच्चों को नैतिक उपदेश देना  
(b) विद्यार्थियों के सामने एक परिस्थिति रखना और उस पर निर्णय लेने के लिए कहना

(c) शिक्षकों एवं बड़ों द्वारा नैतिक मूल्यों को प्रदर्शित करना  
(d) विद्यार्थियों को नैतिकता और अनैतिकता के बीच अंतर करना सिखाना।

55. निम्नलिखित में से .....-सा चिंतन की प्रक्रिया में सबसे कम महत्वपूर्ण है?  
[CTET-May-2012-II]

(a) तर्कणा (b) समस्या  
(c) सामान्यीकरण (d) स्मृति

56. व्यक्तित्व-विकास में ..... एक महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह करता है। [CTET-May-2012-II]

(a) आनुवंशिकता  
(b) वातावरण  
(c) आनुवंशिकता और वातावरण का मिश्रण  
(d) परीक्षाओं की संख्या

57. कोहलबर्ग के अनुसार, 'सही और गलत के बारे में बच्चे ..... चिंतन' करते हैं।  
[CTET-May-2012-II]

(a) अलग आयु में अलग तरीके से  
(b) अलग चरणों में समान रूप से  
(c) संदर्भ के अनुसार  
(d) अभिभावकों द्वारा प्रदत्त निर्देशों के अनुसार।

58. 'संवेगात्मक विरोध' का अर्थ है-  
[CTET-May-2012-II]

(a) संवेगों को दबाना  
(b) बहुत अधिक अवसादग्रस्त महसूस करना  
(c) संवेगात्मक दमन से बाहर निकालना  
(d) संवेगात्मक दमन को सहन करने की योग्यता को बढ़ाना।

59. किशोर.....का अनुभव कर सकते हैं।  
[CTET-Nov. 2012-I]

(a) आत्मसिद्धि को भाव  
(b) जीवन के बारे में परिचय को भाव  
(c) दुश्चिंतन और स्वयं से संरोकार  
(d) बचपन में किए गए अपराधों के प्रति डर के भाव

60. वाइगोट्स्की के सिद्धांत का निहितार्थ है  
[CTET-Nov. 2012-I]

(a) बच्चे उन बच्चों की संगति में श्रेष्ठतम रूप से सीख सकते हैं जिनका बुद्धि-लब्धियों उनके बुद्धि-लब्धियों से कम होता है  
(b) सहयोगात्मक समस्या समाधान  
(c) प्रत्येक विद्यार्थी को व्यक्तिगत रूप से दत्त कार्य देना  
(d) प्रारंभिक व्याख्या के बाद कठिन सवालों को हल करने में बच्चे की सहायता न करना।

61. निम्नलिखित में से कौन-सा सूक्ष्म गतिक कौशल का उदाहरण है? [CTET-Nov. 2012-I]
- (a) चढ़ना (b) फुदकना  
(c) दौड़ना (d) लिखना
62. लॉरेंस कोह्लबर्ग के द्वारा प्रस्तावित चरणों में से प्राथमिक विद्यालयों के बच्चे अनुसरण करते हैं? [CTET-Nov. 2012-II]
- A. आज्ञापालन और दण्ड-उन्मुखीकरण  
B. वैयक्तिकता और विनियम  
C. अच्छे अंतःवैयक्तिक सम्बन्ध  
D. सामाजिक अनुबंध और व्यक्तिगत अधिकार
- (a) B और D (b) A और D  
(c) A और C (d) B और A
63. एक बच्चा ईर्ष्या का प्रदर्शन करता है- [HJET-2012-I]
- (a) 6 माह की आयु में  
(b) 12 माह की आयु में  
(c) 18 माह की आयु में  
(d) 24 माह की आयु में
64. 6-11 वर्ष आयुवर्ग के बालकों की विशिष्टताएँ निम्नलिखित हैं- [HJET-2012-II]
- (a) बालक स्वाभाविक एवं सक्रिय अधिगमकर्ता होते हैं  
(b) सीखने के लिए शिक्षकों पर निर्भर होते हैं  
(c) बालक शिक्षकों से ज्ञान प्राप्त करते हैं  
(d) बालक सीखने में रुचि नहीं रखते हैं।
65. 6 या 7 वर्ष का बालक दूसरों के विचारों को स्वीकार करने के योग्य नहीं होता- [HJET-2012-I]
- (a) क्योंकि वह बहुत छोटा होता है  
(b) क्योंकि वह अहम्-केन्द्रित होता है  
(c) क्योंकि वह बुद्धिमान नहीं होता है  
(d) क्योंकि वह कल्पनाशील होता है।
66. 6-11 वर्ष आयुवर्ग के बालकों को सीखने के लिए आवश्यक है- [HJET-2012-II]
- (a) मूर्त क्रियाओं/अनुभवों की उपलब्धता  
(b) शिक्षक द्वारा ज्ञान का स्थानान्तरण  
(c) रटने के लिए अवसरों की व्यवस्था  
(d) कक्षा में उच्च स्थान प्राप्त करने की प्रेरणा।
67. निम्न में से किसकी भूमिका पूर्व बाल्यावस्था में बालक के संवेगात्मक विकास हेतु सर्वाधिक महत्वपूर्ण है? [HJET-2012-II]
- (a) अध्यापकों की (b) संगी-साधियों की  
(c) पड़ोसियों की (d) माता-पिता की।
68. 6-11 वर्ष आयुवर्ग के लिए अधिगम- [HJET-2012-II]
- (a) ज्ञान निर्माण की एक सक्रिय प्रक्रिया है  
(b) निष्क्रियता से रटने की प्रक्रिया है  
(c) कक्षा-कक्ष में ध्यानपूर्वक सुनने की प्रक्रिया है  
(d) पाठ्यपुस्तक का अध्ययन करने की प्रक्रिया है।
69. वृद्धि के बारे में क्या सही नहीं है? [HJET-2012-II]
- (a) अभिवृद्धि शारीरिक होती है  
(b) अभिवृद्धि मात्रात्मक होती है  
(c) अभिवृद्धि मापनीय होती है  
(d) अभिवृद्धि जीवनपर्यन्त चलने वाली प्रक्रिया है।
70. यदि पूर्व प्राथमिक स्तर पर बच्चों को खोज करने की अनुमति दे दी जाए तो वे संतुष्ट हो जाते हैं। जब उन्हें हतोत्साहित किया जाता है तो वे व्यथित हो जाते हैं। वे ऐसा ..... की उनकी अभिप्रेरणा के कारण करते हैं। [CTET-2013-I]
- (a) अपनी उपेक्षा को कम करने  
(b) कक्षा के साथ संबद्ध होने  
(c) कक्षा में अव्यवस्था फैलाने में  
(d) अपनी शक्तियों का उपयोग करने।
71. बच्चे के विकास में आनुवंशिकता और वातावरण की भूमिका के बारे में निम्नलिखित में से कौन-सा सत्य है? [CTET-2013-I]
- (a) समवयस्कों और पित्रैक (genes) का सापेक्ष योगदान योगात्मक नहीं होता।  
(b) आनुवंशिकता और वातावरण एक साथ परिचालित नहीं होते।  
(c) सहज रूढ़ान वातावरण से संबंधित है, जबकि वास्तविक विकास के लिए आनुवंशिकता जरूरी है।  
(d) आनुवंशिकता और वातावरण, दोनों एक बच्चे के विकास में 50%-50% योगदान देते हैं।
72. सोता ने हाथ से दाल और चावल खाना सीख लिया है। जब उसे दाल और चावल दिए जाते हैं तो वह दाल-चावल मिलाकर खाने लगती है। उसने चीजों को करने के लिए अपने स्क्रीमा में दाल और चावल खाने को ..... कर लिया है। [CTET-2013-II]
- (a) समायोजित (b) अनुकूलित  
(c) समुचितता (d) अंगीकार

73. निम्न में से किसका मिलान उचित है?

[CTET-2013-II]

- (a) शारीरिक विकास - वातावरण
- (b) संज्ञानात्मक विकास - परिपक्वता
- (c) सामाजिक विकास - वातावरण
- (d) संवेगात्मक विकास - परिपक्वता

74. निम्न में से कौन-सा कथन बच्चे के विकास में परिवेश की भूमिका का समर्थन करता है?

[CTET-2013-II]

- (a) कुछ शिक्षार्थी सूचनाओं का जल्दी प्रक्रमण करते हैं, जबकि उसी कक्षा के अन्य विद्यार्थी ऐसा नहीं कर पाते।
- (b) पिछली कुछ दशकियों में बुद्धि-लब्धों की परीक्षा में शिक्षार्थियों के औसत प्रदर्शन में लगातार वृद्धि हुई है।
- (c) एकसमान जुड़वाँ बच्चे जिनका लालन-पालन भिन्न घरों में हुआ है, उनकी बुद्धिलब्धि 0.75 के समान उच्च है।
- (d) शारीरिक रूप से स्वस्थ बच्चे अकसर नैतिक रूप से अच्छे पाए जाते हैं।

75. इनमें से कौन-सा सिद्धान्तकार यह मत स्पष्ट करता है कि बच्चे अपनी वृद्धि व विकास हेतु कठोर अध्ययन करते हैं?

[CTET-Feb-2014-I]

- (a) बंडूरा
- (b) मैस्लो
- (c) स्किनर
- (d) पियाजे

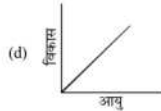
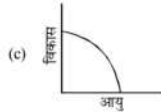
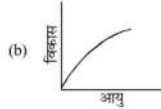
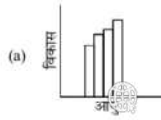
76. पूर्व-विद्यालय में पहली बार आया बच्चा मुक्त रूप से चिल्लाता है। दो वर्ष पश्चात् वही बच्चा जब प्रारम्भिक विद्यालय में पहली बार जाता है, तो अपना तनाव चिल्लाकर व्यक्त नहीं करता, अपितु उसके कन्धे व गर्दन को पेशियां तन जाती हैं। उसके इस व्यावहारिक परिवर्तन का क्या सैद्धान्तिक आधार हो सकता है?

[CTET-Feb-2014-I]

- (a) विकास क्रमिक प्रकार से होता है
- (b) विकास निरन्तरीय होता रहता है
- (c) अलग-अलग लोगों में विकास भी भिन्न रूप से होता है
- (d) विभेद व एकीकरण विकास के लक्षण हैं।

77. पियाजे के विकासात्मक सिद्धान्त के परिप्रेक्ष्य-में निम्नलिखित में से कौन-सा आरेख विकास को समुचित रूप से स्पष्ट करता है?

[CTET-Feb-2014-II]



78. एक अध्यापक/अध्यापिका ने पाया कि एक विद्यार्थी वर्ग बनाने में कठिनाई अनुभव कर रहा है। उसने अनुमान लगाया कि वह हीरे (diamond) का चित्र बनाने में भी कठिनाई अनुभव करेगा। उसने निम्नलिखित में से किस सिद्धान्त पर आधारित होकर यह अनुमान लगाया?

[CTET-Feb-2014-II]

- (a) विकास एक व्यवस्थित क्रम में होने की प्रवृत्ति से सम्बद्ध है
- (b) विकास की प्रक्रिया एक उत्परिवर्तनीय प्रक्रिया है
- (c) विकास निरन्तरीय होता रहता है
- (d) अलग-अलग लोगों के लिए विकास की प्रक्रिया भी अलग-अलग होती है।

79. निम्नलिखित में से कौन-सा निहितार्थ पियाजे के संज्ञानात्मक विकास के सिद्धान्त से नहीं निकाला जा सकता?

[CTET-Feb-2014-II]

- (a) बच्चों की अधिगमनात्मक तत्परता के प्रति संवेदनशीलता
- (b) वैयक्तिक भेदों की स्वीकृति
- (c) खोजपूर्ण अधिगम
- (d) शाब्दिक शिक्षण की आवश्यकता।

80. निम्नलिखित में से कौन मानव विकास का सही क्रम है? [HNET-2014-I]
- शैशवावस्था, किशोरावस्था, बाल्यावस्था, प्रौढ़ावस्था
  - शैशवावस्था, बाल्यावस्था, किशोरावस्था, प्रौढ़ावस्था
  - बाल्यावस्था, किशोरावस्था, प्रौढ़ावस्था, शैशवावस्था
  - बाल्यावस्था, शैशवावस्था, किशोरावस्था, प्रौढ़ावस्था
81. 'जोन ऑफ प्रॉक्सिमल डेवलपमेंट (ZPD)' का प्रत्यय दिया गया- [HNET-2014-I]
- बण्डरा द्वारा
  - पियाजे द्वारा
  - स्किनर द्वारा
  - वाइगोट्स्की द्वारा
82. बालक का चिन्तन किसके द्वारा प्रदर्शित नहीं होता है? [HNET-2014-I]
- आत्म-केंद्रिता
  - सजीवतावाद
  - यथार्थवाद
  - वैयक्तिकवाद
83. बाल अन्तर्वोध (एरसेप्शन) परीक्षण का निर्माण किसने किया? [HNET-2014-I]
- मर्रे
  - बेलक
  - रॉबर्ट
  - रोजनिंग
84. शारीरिक वृद्धि और विकास को कहते हैं- [UPTET-2014-I]
- तत्परता
  - अभिवृद्धि
  - गतिशीलता
  - आनुवंशिकता
85. बाल विकास में- [UPTET-2014-I]
- प्रक्रिया पर बल है
  - वातावरण और अनुभव की भूमिका पर बल है
  - गर्भावस्था से किशोरावस्था तक का अध्ययन
  - उपरोक्त सभी।
86. बाल विकास का अध्ययन-क्षेत्र है- [UPTET-2014-I]
- बाल विकास की विभिन्न अवस्थाओं का अध्ययन
  - वातावरण का बाल विकास पर पड़ने वाले प्रभावों का अध्ययन
  - वैयक्तिक विभिन्नताओं का अध्ययन
  - उपरोक्त सभी।
87. भाषा विकास का सिद्धान्त नहीं है- [UPTET-2014-I]
- अनुबन्धन का सिद्धान्त
  - अनुकरण का सिद्धान्त
  - अतिरिक्त शक्ति का सिद्धान्त
  - परिपक्वता का सिद्धान्त
88. निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सही नहीं है? [UPTET-2014-II]
- "वंशानुक्रम माता-पिता से सन्तान में गुणों का संचरण है"
  - "विकास प्राणी और उसके पर्यावरण की अन्तर्क्रिया का परिणाम है"
  - "वंशानुक्रम व्यक्ति की जन्मजात विशेषताओं का शोधन है"
  - "माता-पिता की शारीरिक और मानसिक विशेषताओं का सन्तानों में संचरित होना वंशानुक्रम है"
89. बाल्यावस्था की प्रमुख मनोवैज्ञानिक विशेषता क्या है? [UPTET-2014-II]
- पर-निर्भरता
  - सामूहिकता की भावना
  - धार्मिकता
  - अनुकरणात्मक प्रवृत्ति का अभाव।
90. संज्ञात्मक विकास निम्न में से किसके द्वारा समर्थित होता है? [CTET-Sept.-2014-I]
- जितना संभव हो, उतनी आवृत्ति से संगत और सुनियोजित परीक्षाओं का आयोजन करना
  - उन गतिविधियों को प्रस्तुत करना जो पारंपरिक पद्धतियों को सुदृढ़ बनाती हैं
  - एक समृद्ध और विविधतापूर्ण वातावरण उपलब्ध कराना
  - सहयोगात्मक की अपेक्षा वैयक्तिक गतिविधियों पर अधिक ध्यान केंद्रित करना।
91. मानव विकास ..... है। [CTET-Sept.-2014-I]
- मात्रात्मक
  - गुणात्मक
  - कुछ सीमा तक अमापनीय
  - मात्रात्मक और गुणात्मक दोनों।
92. वाइगोट्स्की के सिद्धांत में, विकास के निम्नलिखित में से कौन-से पहलू को उपेक्षा होती है? [CTET-Sept.-2014-I]
- सामाजिक
  - सांस्कृतिक
  - जैविक
  - भाषायी।
93. एक वर्ष तक के शिशु जब आंख, कान व हाथों से 'सोचते' हैं, तो निम्नलिखित में से कौन-सा स्तर शामिल होता है? [CTET-Sept.-2014-I]
- मूर्त-सक्रियात्मक स्तर
  - पूर्व-सक्रियात्मक स्तर
  - इंद्रियजनित गामक स्तर
  - अमूर्त-सक्रियात्मक स्तर



94. रिया कक्षा पिकनिक तय करने हेतु ऋषभ से सहमत नहीं है। वह सोचती है कि बहुमत के अनुकूल बनाने के लिए नियमों का संशोधन किया जा सकता है। यह सहपाठी विरोध, पियाजे के अनुसार, निम्नलिखित में से किससे सम्बन्धित है?

[CTET-Sept.-2014-II]

- (a) विषमता नैतिकता  
(b) संज्ञानात्मक अपरिपक्वता  
(c) प्रतिक्रिया  
(d) सहयोग की नैतिकता
95. जब बच्चे एक अवधारणा को सीखते हैं और उसका प्रयोग करते हैं, तो अभ्यास उनके द्वारा की जाने वाली त्रुटियों को कम करने में मदद करता है। यह विचार ..... के द्वारा दिया गया।

[CTET-Sept.-2014-II]

- (a) ई.एल. थॉर्नडाइक  
(b) जॉन पियाजे  
(c) जे.बी. वाटसन  
(d) लेव वाइगोट्स्की
96. छिपी हुई वस्तुएँ ढूँढ़ निकालना इस बात का संकेत है कि शिशु निम्नलिखित में से किस संज्ञानात्मक कार्य में दक्षता प्राप्त करने लगा है?

[CTET-Sept.-2014-II]

- (a) साभिप्राय व्यवहार  
(b) वस्तु स्थायित्व  
(c) समस्या-समाधान  
(d) प्रयोग करना

97. वाङ्मयीय की सामाजिक-सांस्कृतिक सिद्धांत के अनुसार-

[CTET-Sept.-2014-II]

- (a) संस्कृति और भाषा विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं  
(b) बच्चे अलग क्षेत्र में चिंतन करते हैं और वे पूर्ण परिप्रेक्ष्य नहीं लेते  
(c) यदि निम्न आयु पर अमूर्त सामग्री को प्रस्तुत किया जाए तो बच्चे अमूर्त तरीके से चिंतन करते हैं  
(d) स्व-निर्देशित वाक् सहयोग का निम्नतम स्तर है।

98. संवेग के मनोविज्ञान में निम्नलिखित में से किस तथ्य पर सबसे कम ध्यान दिया गया है?

[CTET-Sept.-2014-II]

- (a) संवेग विषयनिष्ठ (व्यक्तिपरक) भावना है और वह अलग-अलग व्यक्तियों में अलग-अलग होती है

- (b) संवेग न केवल वैयक्तिक शिक्षार्थियों में, बल्कि पूरी कक्षा में भी उत्पन्न होते हैं  
(c) संवेग उत्तेजना और संज्ञानात्मक व्याख्या के जटिल पैटर्न होते हैं  
(d) संवेगात्मक प्रतिक्रिया में शारीरिक के साथ-साथ मनोवैज्ञानिक प्रतिक्रियाएँ शामिल होती हैं।

99. निम्नलिखित में से कौन-सा बच्चों के संवेगात्मक विकास के लिए सर्वाधिक उपयुक्त है ?

[CTET-Feb.-2015-II]

- (a) कक्षा-कक्ष का प्रजातांत्रिक परिवेश  
(b) अध्यापकों की कोई भी सहभागिता नहीं क्योंकि यह माता-पिता का कार्य है  
(c) कक्षा-कक्ष का नियंत्रित परिवेश  
(d) कक्षा-कक्ष का अधिकारवादी परिवेश।

100. निम्नलिखित में से कौन प्रारम्भिक बाल्यावस्था अवधि के दौरान उन भूमिकाओं एवं व्यवहारों के बारे में जानकारी प्रदान करते हैं जो एक समूह में स्वीकार्य हैं?

[CTET-Feb.-2015-II]

- (a) भाई-बहन एवं अध्यापक  
(b) अध्यापक एवं साथी  
(c) साथी एवं माता-पिता  
(d) माता-पिता एवं भाई-बहन।

101. निम्नलिखित में से कौन-सा आयुसमूह परवर्ती बाल्यावस्था श्रेणी के अन्तर्गत आता है?

[CTET-Feb.-2015-II]

- (a) 11 से 18 वर्ष (b) 18 से 24 वर्ष  
(c) जन्म से 6 वर्ष (d) 6 से 11 वर्ष।

102. पियाजे के सिद्धान्त के अनुसार, निम्नलिखित में से कौन-सा व्यक्ति के संज्ञानात्मक विकास को प्रभावित नहीं करेगा ?

[CTET-Feb.-2015-II]

- (a) भाषा (b) सामाजिक अनुभव  
(c) परिपक्वता (d) क्रियाकलाप।

103. कोह्लबर्ग के सिद्धान्त का एक प्रमुख आलोचना है ?

[CTET-Feb.-2015-II]

- (a) कोह्लबर्ग ने नैतिक विकास की स्पष्ट अवस्थाओं का उल्लेख नहीं किया।  
(b) कोह्लबर्ग ने बिना किसी अनुभूतिमूलक आधार का सिद्धान्त प्रस्तुत किया  
(c) कोह्लबर्ग ने प्रस्ताव दिया कि नैतिक ताकिकता विकासात्मक है  
(d) कोह्लबर्ग ने पुरुषों एवं महिलाओं की ताकिकता में सांस्कृतिक विभिन्नताओं को नहीं दिया।

104. निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा वाइगोट्स्की प्रस्तावित विकास तथा अधिगम के बीच सर्वश्रेष्ठ रूप में सार प्रस्तुत करता है ?

[CTET-Feb.-2015-II]

- (a) अधिगम एवं विकास समानान्तर प्रक्रियाएँ हैं  
(b) विकास अधिगम से स्वाधीन है  
(c) विकास-प्रक्रिया अधिगम-प्रक्रिया से पीछे रहा है  
(d) विकास अधिगम का समानार्थक है।
105. 'प्रकृति-पालन-पोषण' वाद-विवाद के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा आपको उपयुक्त प्रतीत होता है ?

[CTET-Feb.-2015-II]

- (a) बच्चे अनुवर्षिक रूप से उस तरफ प्रवृत्त होते हैं जिस तरफ होना चाहिए, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता है कि वे किस प्रकार के परिवेश में पल-बढ़ रहे हैं  
(b) एक बच्चा एक खाली स्लेट के समान होता है जिसका चरित्र परिवेश के द्वारा किसी भी आकार में ढाला जा सकता है  
(c) एक बच्चे के व्यवहार का निर्धारण करने में परिवेशीय प्रभावों का बहुत कम महत्व होता है; वह प्राथमिक रूप में अनुवर्षिक रूप से निर्धारित होता है  
(d) वंशानुक्रम तथा परिवेश अभिन्न रूप से एक-दूसरे से गुँथे हुए हैं और दोनों विकास को प्रभावित करते हैं।

106. वाइगोट्स्की तथा पियाजे के परिप्रेक्ष्यों में एक प्रमुख विभिन्नता है- [CTET-Feb.-2015-II]

- (a) ज्ञान के सक्रिय निर्माताओं के रूप में बच्चों की संकल्पना।  
(b) व्यवहारवादी सिद्धान्तों की उनकी आलोचना  
(c) बच्चों को एक पालन-पोषण का परिवेश उपलब्ध कराने की भूमिका  
(d) भाषा एवं चिन्तन के बारे में उनके दृष्टिकोण।

107. इनमें से कौन-सा बाल विकास का एक सिद्धान्त है ? [CTET-Feb.-2015-II]

- (a) विकास प्रत्येक बच्चे की गति का सही ढंग से अनुमान लगा सकता है  
(b) विकास परिपक्वता तथा अनुभव के बीच अन्योन्यक्रिया की वजह से घटित होता है  
(c) अनुभव विकास का एकमात्र निर्धारक है  
(d) विकास प्रवलन तथा दण्ड के द्वारा सुनिश्चित किया जाता है।

108. वाइगोट्स्की के अनुसार, समीपस्थ विकास का क्षेत्र है- [CTET-Feb.-2015-II]

- (a) बच्ची अपने-आप क्या कर सकती है जिसका आकलन नहीं किया जा सकता है  
(b) अध्यापिका के द्वारा दिए गए सहयोग की सीमा निर्धारित करना  
(c) बच्चे के द्वारा स्वतंत्र रूप से किए जा सकने वाले तथा सहायता के साथ करने वाले कार्य के बीच अन्तर  
(d) बच्चे को अपना सामर्थ्य प्राप्त करने के लिए उपलब्ध कराए गए सहयोग की मात्रा एवं प्रकृति।

109. पियाजे अनुमोदन करते हैं कि पूर्व-सक्रियात्मक बच्चे याद रखने में असमर्थ होते हैं। निम्नलिखित कारकों में से किसको उन्होंने इस असमर्थता के लिए जिम्मेदार ठहराया है ?

[CTET-Feb.-2015-II]

- (a) उच्च-स्तर की अमूर्त तार्किकता की कमी  
(b) परिकल्पित-निगमनात्मक तार्किकता की अयोग्यता  
(c) व्यक्तिगत कल्पित कथा  
(d) विचार की अनुक्रमणीयता (बदल न सके)।

110. पियाजे के सिद्धान्त के अनुसार, बच्चे निम्न में से किसके द्वारा सीखते हैं ?

[CTET-Feb.-2015-II]

- (a) उपयुक्त पुरस्कार दिए जाने पर अपने व्यवहार में परिवर्तन करना  
(b) सही प्रकार से ध्यान लगाकर जानकारी को याद करना  
(c) समाज के अधिक योग्य सदस्यों के द्वारा उपलब्ध कराए गए सहारे के आधार पर  
(d) अनुकूलन की प्रक्रियाएँ

111. कोहलबर्ग के सिद्धान्त के पूर्व-परम्परागत स्तर के अनुसार, कोई नैतिक निर्णय लेते समय एक व्यक्ति निम्नलिखित में से किस तरफ प्रवृत्त होगा ? [CTET-Sept.-2015-I]

- (a) व्यक्तिगत आवश्यकताएँ तथा इच्छाएँ  
(b) व्यक्तिगत मूल्य  
(c) पारिवारिक अपेक्षाएँ  
(d) अंतर्निहित संभावित दंड

112. शिक्षार्थियों (अधिगमकर्ता) की वैयक्तिक विभिन्नताओं के संदर्भ में शिक्षिका को चाहिए:

[CTET-Sept.-2015-I]

- निगमनात्मक पद्धति के आधार पर समस्याओं का समाधान करना।
- कलनविधि (एल्गोरिथ्म) का अधिकतर प्रयोग करना।
- याद करने के लिए शिक्षार्थियों को तथ्य उपलब्ध कराना।
- विविध प्रकार की अधिगम परिस्थितियों को उपलब्ध कराना।

113. निम्नलिखित में से कौन-सा बाल विकास का एक सिद्धान्त नहीं है? [CTET-Sept.-2015-I]

- विकास के सभी क्षेत्र महत्वपूर्ण हैं।
- सभी विकास परिपक्वता तथा अनुभव की अंतःक्रिया का परिणाम होते हैं।
- सभी विकास तथा अधिगम एक समान गति से आगे बढ़ते हैं।
- सभी विकास एक क्रम का पालन करते हैं।

114. बच्चों के बारे में निम्नलिखित कथनों में से किस कथन से वाइगोत्स्की सहमत होते?

[CTET-Sept.-2015-I]

- बच्चे तब सीखते हैं जब उनके लिए आकर्षक पुरस्कार निर्धारित किए जाएँ।
- बच्चों के चिंतन को तब समझा जा सकता है जब प्रयोगशाला में पशुओं पर प्रयोग किए जाएँ।
- बच्चे जन्म से शीतल होते हैं और उन्हें ढँक देकर नियंत्रित किया जाना चाहिए।
- बच्चे समयबद्ध और वयस्क के साथ सामाजिक अंतःक्रियाओं के माध्यम से सीखते हैं।

115. बच्चे: [CTET-Sept.-2015-I]

- चिंतन में वयस्कों की भाँति ही होते हैं और ज्यों-ज्यों वे बड़े होते हैं उनके चिंतन में गुणात्मक वृद्धि होती है।
- रीते बरतन के समान होते हैं जिसमें बड़ों के द्वारा दिया गया ज्ञान भरा जाता है।
- निष्क्रिय जीव होते हैं जो प्रदत्त सूचना को ज्यों-की-त्यों प्रतिलिपि के रूप में प्रस्तुत कर देते हैं।
- जिज्ञासु प्राणी होते हैं जो अपने चारों ओर के जगत को खोजने के लिए अपने ही तर्कों और क्षमताओं का उपयोग करते हैं।

116. सुरेश सामान्य रूप से एक शांत कमरे में अकेले पढ़ना चाहता है, जबकि मदन एक समूह में अपने मित्रों के साथ पढ़ना चाहता है। यह उनके \_\_\_\_\_ में विभिन्नता के कारण है।

[CTET-Sept.-2015-I]

- अभिज्ञता
- अधिगम शैली
- परावर्तकता-स्तर
- मूल्यों

117. 'प्रकृति-पोषण' विवाद में प्रकृति से क्या अभिप्राय है? [CTET-Sept.-2015-I]

- जैविकीय विशिष्टताएँ या वंशानुक्रम सूचनाएँ
- एक व्यक्ति की मूल वृत्ति
- भौतिक और सामाजिक संसार की जटिल शक्तियाँ
- हमारे आस-पास का वातावरण

118. शैशवकाल की अवधि है:

[CTET-Sept.-2015-I]

- जन्म से 2 वर्ष तक
- जन्म से 3 वर्ष तक
- 2 से 3 वर्ष तक
- जन्म से 1 वर्ष तक

119. पियाजे के अनुसार 2 से 7 वर्ष के बीच का बच्चा संज्ञानात्मक विकास की \_\_\_\_\_ अवस्था में है। [CTET-Sept.-2015-I]

- औपचारिक संक्रियात्मक
- मूर्त संक्रियात्मक
- संवेदी-गतिक
- पूर्व संक्रियात्मक

120. विकास \_\_\_\_\_ से \_\_\_\_\_ की ओर बढ़ता है। [CTET-Sept.-2015-I]

- जटिल → कठिन
- विशिष्ट → सामान्य
- साधारण → आसान
- सामान्य → विशिष्ट

121. जब वयस्क सहयोग से सामंजस्य कर लेते हैं, तो वे बच्चे के वर्तमान स्तर के प्रदर्शन को संभावित क्षमता के स्तर के प्रदर्शन की तरफ प्रगति क्रम को सुगम बनाते हैं, इसे कहा जाता है: [CTET-Sept.-2015-I]

- सहयोग देना
- सहभागी अधिगम
- सहयोगात्मक अधिगम
- समीपस्थ विकास

122. नवीन जानकारी को शामिल करने के लिए वर्तमान स्कीमा (अवधारणा) में बदलाव की प्रक्रिया \_\_\_\_\_ कहलाती है।

[CTET-Sept.-2015-I]

- (a) आत्मसात्करण
- (b) समायोजन
- (c) अहंकेंद्रित
- (d) अनुकूलन

123. मध्य बाल्यावस्था में भाषा \_\_\_\_\_ के बजाय \_\_\_\_\_ अधिक है। [CTET-Sept.-2015-I]

- (a) समाजीकृत, अहंकेंद्रित
- (b) जीववादी, समाजीकृत
- (c) परिपक्व, अपरिपक्व
- (d) अहंकेंद्रित, समाजीकृत

124. मानसिक संरचनाएँ जो चिन्तन के निर्माण प्रखंड हैं — इसके लिए पियाजे ने किस शब्द/पद का प्रयोग किया है।

[CTET-Sept.-2015-II]

- (a) विकास के क्षेत्र
- (b) जीन
- (c) परिपक्व प्रखंड
- (d) स्कीमा (अवधारणाएँ)

125. वायगोत्सकी के अनुसार बच्चे स्वयं से क्यों बोलते हैं? [CTET-Sept.-2015-II]

- (a) बच्चे अपने कार्य को दिशा देने के लिए बोलते हैं।
- (b) बच्चे अपने प्रति वयस्कों का ध्यान आकर्षित करने के लिए बोलते हैं।
- (c) बच्चे स्वभाव से बहुत बातूनी होते हैं।
- (d) बच्चे अहंकेंद्रित होते हैं।

126. क्या बच्चे इसलिए भाषा अर्जित करते हैं, क्योंकि उनमें आनुवंशिक रूप से ऐसा करने की पूर्णप्रवृत्ति होती है या उनके माता-पिता प्रारंभिक अवस्था से ही उन्हें गहन रूप से सिखाते हैं? यह प्रश्न आवश्यक रूप से दर्शाता है :

[CTET-Sept.-2015-II]

- (a) बहु-कारक योग्यता के रूप में विकास पर चर्चा।
- (b) क्या विकास एक सतत प्रक्रिया है या एक अस्तंत प्रक्रिया?
- (c) भाषा के विकास पर संज्ञान का प्रभाव।
- (d) प्रकृति और पोषण पर बहस।

127. अमूर्त वैज्ञानिक चिन्तन के लिए क्षमता का विकास निम्नलिखित अवस्थाओं में से किसकी एक विशेषता है? [CTET-Sept.-2015-II]

- (a) पूर्व-संक्रियात्मक अवस्था
- (b) अमूर्त संक्रियात्मक अवस्था
- (c) औपचारिक संक्रियात्मक अवस्था
- (d) संवेदी-गतिक अवस्था

128. एक बच्चा तर्क प्रस्तुत करता है — 'आप यह मेरे लिए करें और मैं वह आपके लिए करूँगा।' यह बच्चा कोहलबर्ग की नैतिक तर्कणा की किस अवस्था के अंतर्गत आएगा?

[CTET-Sept.-2015-II]

- (a) दण्ड और आज्ञापालन अभिमुखीकरण
- (b) 'अच्छा लड़का-अच्छी लड़की' अभिमुखीकरण
- (c) सामाजिक-अनुबंध अभिमुखीकरण
- (d) सहायक उद्देश्य अभिमुखीकरण

129. निम्नलिखित में से कौन-सा कथन विकास और अधिगम के बीच संबंध को सर्वश्रेष्ठ रूप में जोड़ता है? [CTET-Sept.-2015-II]

- (a) अधिगम और विकास एक जटिल तरीके से अंतःसंबंधित हैं।
- (b) विकास अधिगम से स्वतंत्र है।
- (c) अधिगम विकास के पीछे रहता है।
- (d) अधिगम और विकास समानार्थक/पारिभाषिक शब्द हैं।

130. इनमें से कौन-सा विकास का एक सिद्धांत नहीं है? [CTET-Sept.-2015-II]

- (a) विकास वंशानुक्रम और पर्यावरण दोनों से प्रभावित होता है।
- (b) विकास संशोधनयोग्य होता है।
- (c) विकास केवल संस्कृति से शासित और निर्धारित होता है।
- (d) विकास जीवनपर्यंत होता है।

131. भाषा विकास के लिए प्रारंभिक बचपन \_\_\_\_\_ काल है। [CTET-Feb.-2016-I]

- (a) निरपेक्ष
- (b) कम महत्वपूर्ण
- (c) अमहत्वपूर्ण
- (d) अतिसंवेदनशील



- (a) उद्दीपन तथा अनुक्रिया के जोड़ से होता है  
 (b) शिक्षक द्वारा पुनर्बलन किया जाना है  
 (c) शिक्षार्थियों द्वारा स्वयं सृजित किया जाता है, जो एक सक्रिय भूमिका निभाते हैं  
 (d) शिक्षक द्वारा लिखवाया जाता है तथा शिक्षार्थी निष्क्रिय प्राप्तकर्ता होते हैं
143. विकास के बारे में निम्नलिखित में से कौन-सा एक कथन सही है?

[CTET-Feb.-2016-II]

- (a) विकास जन्म से किशोरावस्था तक बहुत तीव्र गति से होता है और उसके बाद रुक जाता है।  
 (b) विकास जन्म से किशोरावस्था तक आगे की ओर बढ़ता है और फिर पीछे की ओर।  
 (c) विकासालमक परिवर्तन एक सीधी रेखा से आगे जाते हैं।  
 (d) विकास भिन्न व्यक्तियों में भिन्न गति से होता है।

144. मध्य-बचपन अवधि है [CTET-Feb.-2016-II]

- (a) 6 वर्ष से 11 वर्ष  
 (b) 10 वर्ष के बाद  
 (c) जन्म से 2 वर्ष  
 (d) 2 वर्ष से 6 वर्ष

145. "किसी व्यक्ति को आकार देने में वातावरण के घटकों की कोई भूमिका नहीं होती, क्योंकि प्रत्येक व्यक्ति की वृद्धि उसकी आनुवंशिक संरचना से निर्धारित होती है।" यह कथन

[CTET-Feb.-2016-II]

- (a) ठीक नहीं है, क्योंकि वातावरण के घटक किसी व्यक्ति की वृद्धि और विकास में कम योगदान करते हैं  
 (b) ठीक नहीं है, क्योंकि बहुत-से शोध यह सिद्ध करते हैं कि विकास में वातावरण का बड़ा प्रभाव पड़ सकता है  
 (c) ठीक है, क्योंकि किसी व्यक्ति की आनुवंशिक संरचना बहुत प्रबल होती है  
 (d) ठीक है, क्योंकि बहुत-से शोध यह सिद्ध करते हैं कि आनुवंशिक पदार्थ की व्यक्ति के विकास की भविष्यवाणी करता है

146. पियाजे के अनुसार, विकास को प्रभावित करने में निम्नलिखित कारकों में से किसकी भूमिका महत्वपूर्ण होती है? [CTET-Feb.-2016-II]

- (a) अनुकरण  
 (b) पुनर्बलन  
 (c) भाषा  
 (d) भौतिक विश्व के साथ अनुभव

147. पूर्व-संक्रियात्मक काल में आने वाली संज्ञानात्मक योग्यता है [CTET-Feb.-2016-II]

- (a) दूसरे के दृष्टिकोण को समझने की योग्यता  
 (b) अभिकल्पनात्मक निष्कर्ष धितन  
 (c) अमूर्त धितन की योग्यता  
 (d) लक्ष्य-उद्दिष्ट व्यवहार की योग्यता

148. निम्नलिखित में किस एक जोड़े का मिलान ठीक हुआ है? [CTET-Feb.-2016-II]

- (a) नियम और आदेश अभिविन्यास-मानवार्थिकारों के मूल्य के आधार पर नैतिक सिद्धांत स्वयं बुने जाते हैं  
 (b) सामाजिक संविदा अभिविन्यास-किसी कार्य के भौतिक परिणाम निर्धारित करते हैं कि वह अच्छा है या बुरा  
 (c) दंड देना और आज्ञापालन अभिविन्यास-नियम तय नहीं हैं, किंतु समाज के हित में बदले जा सकते हैं  
 (d) अच्छा लड़का व अच्छी लड़की अभिविन्यास-अच्छा बनकर कोई स्वीकृति प्राप्त करता है

149. वाइगोत्सकी की संस्तुति के अनुसार, बच्चों की 'व्यक्तिगत वाक' की संकल्पना

[CTET-Feb.-2016-II]

- (a) स्पष्ट करती है कि बच्चे अपने ही कार्यों के निर्देशन के लिए भाषा का उपयोग करते हैं  
 (b) प्रदर्शित करती है कि बच्चे बुद्ध होते हैं इसलिए उन्हें प्रौढ़ों के निर्देशन की आवश्यकता होती है  
 (c) स्पष्ट करती है कि बच्चे अर्ध-केंद्रित होते हैं  
 (d) प्रदर्शित करती है कि बच्चे अपन-आप से प्यार करते हैं

150. वाइगोत्स्की के अनुसार, सीखने को पृथक नहीं किया जा सकता [CTET-Feb.-2016-II]

- (a) व्यवहार में मापने योग्य परिवर्तन से
- (b) अवबोधन और अवधानात्मक प्रक्रियाओं से
- (c) उसके सामाजिक संदर्भ से
- (d) पुनर्बलन से

151. शिक्षार्थियों में बहुत विभिन्नताएँ होती हैं। इनमें से किसके/किनके लिए शिक्षक को संवेदनशील होने की आवश्यकता है?

[CTET-Feb.-2016-II]

- I. संज्ञानात्मक क्षमताओं और सीखने के स्तरों पर आधारित भिन्नताएँ
- II. भाषा, जाति, लिंग, धर्म, समुदाय की विविधता पर आधारित भिन्नताएँ

नीचे दिए गए कूट के आधार पर सही उत्तर चुनिए।

- (a) I और II दोनों
- (b) न तो I और न ही II
- (c) केवल I
- (d) केवल II

152. लेव वाइगोत्स्की के समाज संरचना सिद्धांत में दृढ़ विश्वास रखने वाले शिक्षक के नाते आप अपने बच्चों के आकलन के लिए निम्नलिखित में से किस विधि को वरीयता देंगे?

[CTET-Sept.-2016-I]

- (a) सहयोगी प्रोजेक्ट
- (b) मानकीकृत परीक्षण
- (c) तथ्यों पर आधारित प्रत्यास्मरण के प्रश्न
- (d) वस्तुपरक बहुविकल्पी प्रकार के प्रश्न

153. निम्नलिखित में से कौन-सी विशेषता प्रतिभावान शिक्षार्थी की है? [CTET-Sept.-2016-I]

- (a) वह आक्रामक और कुंठित हो जाता है।
- (b) यदि कक्षा की गतिविधियाँ अधिक चुनौतीपूर्ण नहीं होती हैं, तो वह कम प्रेरित अनुभव करता है और ऊब जाता है।
- (c) वह बहुत ही तुनकभिज्ञ होता है।
- (d) वह रस्मी व्यवहार करता है जैसे- हाथ धपथपाया, डोलना आदि।

154. विद्यार्थियों में संप्रत्ययात्मक विकास को प्रोत्साहन देने के लिए निम्नलिखित में से कौन-सी विधि सबसे प्रभावी है? [CTET-Sept.-2016-I]

- (a) पुराने प्रत्ययों से किसी संदर्भ को बिना नए प्रत्ययों को अपने आप समझा जाना चाहिए।
- (b) याद करने के लिए कहकर विद्यार्थियों के गलत विचारों को सही विचारों में बदलना।
- (c) विद्यार्थियों को प्रश्न-से उदाहरण देना और उन्हें तर्कशक्ति का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित करना।
- (d) जब तक विद्यार्थियों में वांछित संप्रत्ययात्मक परिवर्तन न हो जाए, तब तक दंड का उपयोग करना।

155. विकास का शिरःपदाभिमुख दिशा सिद्धान्त व्याख्या करता है कि विकास इस प्रकार आगे बढ़ता है: [CTET-Sept.-2016-I]

- (a) सामान्य से विशिष्ट कार्यों की ओर
- (b) भिन्न से एकीकृत कार्यों की ओर
- (c) सिर से पैर की ओर
- (d) ग्रामीण से शहरी क्षेत्रों की ओर

156. भाषा विकास के लिए सबसे संवेदनशील समय निम्नलिखित में से कौन-सा है।

[CTET-Sept.-2016-I]

- (a) जन्मपूर्व का समय
- (b) मध्य बचपन का समय
- (c) वयस्कावस्था
- (d) प्रारंभिक बचपन का समय

157. एक 6 वर्ष की लड़की खेलकूद में असाधारण योग्यता का प्रदर्शन करती है। उसके माता-पिता दोनों ही खिलाड़ी हैं, उसे नित्य प्रशिक्षण प्राप्त करने भेजते हैं और सत्पाहात में उसे प्रशिक्षण देते हैं। बहुत संभव है कि उसकी क्षमताएँ निम्नलिखित दोनों के बीच परस्पर प्रतिक्रिया का परिणाम होंगी: [CTET-Sept.-2016-I]

- (a) अनुवीक्षिता और पर्यावरण
- (b) वृद्धि और विकास
- (c) स्वास्थ्य और प्रशिक्षण
- (d) अनुशासन और पौष्टिकता

158. लेव वाइगोत्स्की के अनुसार संज्ञानात्मक विकास का मूल कारण है: [CTET-Sept.-2016-I]

- (a) संतुलन
- (b) सामाजिक अन्योन्यक्रिया
- (c) मानसिक प्रारूपों (स्कीमा) का समायोजन
- (d) उद्दीपक-अनुक्रिया युग्मन

159. किसी बच्चे का दिया गया विशिष्ट उतर कोलैबर्ग के नैतिक तर्कों के सोपानों की विषयवस्तु के किस सोपान के अंतर्गत आएगा?

“यदि आप ईमानदार हैं, तो आपके माता-पिता आप पर गर्व करेंगे। इसलिए आपको ईमानदार रहना चाहिए।” [CTET-Sept.-2016-I]

- (a) दंड-आज्ञाकारिता अनुकूलन
- (b) सामाजिक संकुचन अनुकूलन
- (c) अच्छी लड़की-अच्छा लड़का अनुकूलन
- (d) कानून और व्यवस्था अनुकूलन

160. जॉन पियाजे के अनुसार अधिगम के लिए निम्नलिखित में से क्या आवश्यक है?

[CTET-Sept.-2016-I]

- (a) शिक्षार्थी के द्वारा पर्यावरण की सक्रिय खोजबीन
- (b) वयस्कों के व्यवहार का अवलोकन
- (c) ईश्वरीय न्याय पर विश्वास
- (d) शिक्षकों और माता-पिता द्वारा पुनर्बलन

161. जॉन पियाजे के अनुसार प्रारूप (स्कीमा) निर्माण वर्तमान योजनाओं के अनुरूप बनाने हेतु नवीन जानकारी में संशोधन और नवीन जानकारी के आधार पर पुरानी योजनाओं में संशोधन के परिणाम के रूप में घटित होता है। इन दो प्रक्रियाओं को जाना जाता है:

[CTET-Sept.-2016-I]

- (a) समायोजन और अनुकूलन के रूप में
- (b) समावेशन और अनुकूलन के रूप में
- (c) साम्यीकरण और संशोधन के रूप में
- (d) समावेशन और समायोजन के रूप में

162. कोई 5 साल की लड़की एक टी-शर्ट को तह करते हुए अपने आप से बात करती है। लड़की द्वारा प्रदर्शित व्यवहार के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सही है?

[CTET-Sept.-2016-I]

- (a) जॉन पियाजे और लेव वाइगोत्सकी इसकी व्याख्या बच्चे के विचारों की अहंकोरित प्रकृति के रूप में करेंगे।
- (b) जॉन पियाजे इसे अहंकोरित भाषा कहेगा और लेव वाइगोत्सकी इसकी व्याख्या बच्चे के

द्वारा निजी भाषा से अपनी क्रियाओं को नियमित करने के प्रयासों के रूप में करेगा।

- (c) जॉन पियाजे इसकी व्याख्या सामाजिक अन्योन्यक्रिया के रूप में करेगा और लेव वाइगोत्सकी इसे खोजबीन मानेगा।

- (d) जॉन पियाजे और लेव वाइगोत्सकी इसकी व्याख्या बच्चे के द्वारा अपनी माँ के अनुकरण के रूप में करेंगे।

163. कक्षा तक पहुँचने वाली बच्चों की धोली अवधारणाओं को जानना:

[CTET-Sept.-2016-II]

- (a) शिक्षक की योजना और शिक्षण में रुकावट बनता है
- (b) शिक्षक के होसले को परत कर देता है क्योंकि इससे उसका कार्यभार बढ़ता है
- (c) शिक्षक के किसी उद्देश्य की पूर्ति नहीं करता
- (d) शिक्षक के लिए अपने शिक्षण को अधिक सार्थक बनाने की योजना बनाने में सहायक होता है

164. विकास के सिद्धांतों के बारे में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन गलत है?

[CTET-Sept.-2016-II]

- (a) विकास एक परिमाणत्मक प्रक्रिया है जिसका ठीक-ठाक मापन हो सकता है।
- (b) विकास परिपक्वता और अधिगम पर आधारित होता है।
- (c) विकास वंशानुगतता और वातावरण के बीच सतत अन्योन्यक्रिया से होता है।
- (d) प्रत्येक बच्चा विकास के चरणों से गुजरता है फिर भी बच्चों में वैयक्तिक भिन्नताएँ बहुत होती हैं।

165. .... तथा ..... को विशिष्ट अन्योन्यक्रिया का परिणाम विकास के विविध मार्गों और निष्कर्षों के रूप में हो सकता है।

[CTET-Sept.-2016-II]

- (a) खोज; पोषण
- (b) चुनौतियाँ; सीमाएँ
- (c) वंशानुक्रम; पर्यावरण
- (d) स्थिरता; परिवर्तन



166. जिन पियाजे के संज्ञात्मक विकास के सिद्धांत के बारे में निम्नलिखित कथनों में से सही कथन कौन-सा है? [CTET-Sept.-2016-II]

- बच्चों के सांस्कृतिक आधार के अनुसार इन चरणों का क्रम बदला जा सकता है।
- पियाजे का तर्क है कि संज्ञात्मक विकास, चरणों में आगे बढ़ने की अपेक्षा निरंतर होता है।
- पियाजे ने संज्ञात्मक विकास के पाँच स्पष्ट चरण प्रस्तावित किए हैं।
- किसी चरण को छोड़ा नहीं जा सकता क्योंकि ये चरण स्थिर हैं।

167. जिन पियाजे के द्वारा प्रस्तुत 'संरक्षण' के प्रत्यय से तात्पर्य है कि: [CTET-Sept.-2016-II]

- दूसरों के परिदृश्य को ध्यान में रखना एक महत्वपूर्ण संज्ञात्मक क्षमता है।
- वन्यजीवन और वनों का संरक्षण बहुत महत्वपूर्ण है।
- कुछ भौतिक गुणधर्म वही रहते हैं चाहे बाहरी आकृतियाँ बदल जाएँ।
- परिकल्पना पर विधिवत् परीक्षण से सही निष्कर्ष पर पहुँचा जा सकता है।

168. लेव वाइगोत्स्की के अनुसार:

[CTET-Sept.-2016-II]

- बच्चे भाषा अर्जन की एक युक्ति से कोई भाषा सीखते हैं।
- बयस्कों और साधियों से अन्योन्यक्रिया करने का भाषा के विकास में कोई प्रभाव नहीं पड़ता।
- भाषिक विकास मानव चिंतन के स्वभाव को बदल देता है।
- भाषिक विकास में संस्कृति की भूमिका बहुत कम होती है।

169. लॉरेंस कोलबर्ग के नैतिक तर्क के सिद्धांत की अनेक बातों के लिए आलोचना की जाती है। इस आलोचना के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सही है?

[CTET-Sept.-2016-II]

- कोलबर्ग ने अपने अध्ययन को मूलतः पुरुषों के नमूनों पर आधारित रखा है।
- कोलबर्ग ने नैतिक तर्क के प्रत्येक सोपान के लिए विशेष उदाहरण नहीं दिया है।
- अपनी सैद्धांतिक रूपरेखा पर पहुँचने के लिए कोलबर्ग ने पियाजे के सिद्धांतों को दोहराया है।
- कोलबर्ग का सिद्धांत बच्चों के प्रत्युत्तरों पर ध्यान-केंद्रित नहीं करता।

170. निम्नलिखित में से कौन-सा कथन भाषा और विचार के बारे में पियाजे और वाइगोत्स्की के दृष्टिकोण का सही वर्णन करता है? [CTET-Sept.-2016-II]

- दोनों भाषा को बच्चे के विचारों से जन्म लेती हुई मानते हैं।
- वाइगोत्स्की के अनुसार पहले विचार जन्म लेता है और पियाजे के अनुसार भाषा का विचार पर भारी प्रभाव पड़ता है।
- पियाजे के अनुसार पहले विचार जन्म लेता है और वाइगोत्स्की के अनुसार भाषा का विचार पर भारी प्रभाव पड़ता है।
- दोनों मानते हैं कि बच्चों की भाषा से विचार जन्म लेते हैं।

171. विद्यालय-यात्रा पर जाने के लिए पोती को अपने पिता से बहस करते हुए देखकर दादी कहती है, "तुम अच्छी लड़की की तरह आज्ञाकारी क्यों नहीं हो? तुम लड़कों की तरह व्यवहार करोगी तो तुम से कौन शादी करेगा?" यह कथन निम्नलिखित में से किसको प्रतिबिम्बित करता है? [CTET-Sept.-2016-II]

- बच्चों के पालन-पोषण में परिवार की कठिनाईयें।
- लिंग समरूपता।
- लड़कों और लड़कों के स्वभाव के बारे में रुढ़िबद्ध धारणा।
- लड़की के लिंग की गलत पहचान।

172. निम्नलिखित विकास के सिद्धांतों का मिलान कीजिए:

[CTET-Sept.-2016-II]

## सिद्धांत

## वर्णन

(a) समीप-दूरभिमुख दिशा

(i) विभिन्न बच्चे भिन्न-भिन्न दर से बढ़ते हैं

(b) शिरःपदाभिमुख दिशा

(ii) सिर से पैर का क्रम

(c) अंतर्वैयक्तिक भिन्नताएँ

(iii) किसी अलग बच्चे में विकास की दर विकास के एक क्षेत्र को अपेक्षा दूसरी से भिन्न हो सकती है

(d) अंतर्गवैयक्तिक भिन्नताएँ

(iv) शरीर के केन्द्र से बाहर की ओर

(v) सरल से जटिल की ओर वृद्धि

(a) a b c d

(b) a b c d

iv ii i iii

v ii i iii

(c) a b c d

(d) a b c d

ii iv i iii

ii iv iii i

173. संज्ञान और संवेग के बारे में निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा कथन सही है?

[CTET-Sept.-2016-II]

(a) संवेग संज्ञान को प्रभावित करते हैं किंतु संज्ञान संवेगों को प्रभावित नहीं करता।

(b) संज्ञान और संवेग परस्पर जुड़े हैं और एक-दूसरे को प्रभावित करते हैं।

(c) संज्ञान और संवेग एक-दूसरे से स्वतंत्र प्रक्रियाएँ हैं।

(d) संज्ञान संवेगों को प्रभावित करता है किंतु संवेग संज्ञान को प्रभावित नहीं करता।

(c) वृद्धि विकास की प्रक्रिया का ही एक भाग है

(d) विकास सतत प्रक्रिया है।

177. बालकों में व्यक्तिगत भिन्नता के लिए निम्न में से कौन-सा कारक शामिल है?

[HTET-2017]

(a) माता-पिता की मनोवृत्ति

(b) बुद्धि

(c) नरल

(d) स्थान

174. मानसिक वृद्धि एवं विकास निम्न में से किस कारक द्वारा नियन्त्रित है? [HTET-2017]

(a) आनुवंशिकता

(b) आनुवंशिकता एवं पर्यावरण कारक

(c) केवल पर्यावरण कारक

(d) इनमें से कोई नहीं

(a) परिपक्वता में अभ्यास का महत्व होता है।

(b) परिपक्वता एक शारीरिक क्रिया है

(c) परिपक्वता मृत्युपर्यन्त चलती है

(d) परिपक्वता में केवल मात्रात्मक बदलाव सम्मिलित होते हैं

175. निम्नलिखित में से कौन-सा उत्तर बाल्यावस्था का लक्षण है? [HTET-2017]

(a) हठी

(b) समय की संकल्पना

(c) सामाजिक संकल्पना

(d) वीर पूजा

(a) आठ अवस्थाएँ

(b) पाँच अवस्थाएँ

(c) छः अवस्थाएँ

(d) चार अवस्थाएँ

176. निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सही नहीं है? [HTET-2017]

(a) वृद्धि एवं विकास दो अलग आयाम हैं

(b) वृद्धि जीवनपर्यन्त चलती है

178. निम्नलिखित में से कौन-सी कार्य सूचक क्रिया भावात्मक पक्ष की नहीं है? [HTET-2017]

(a) स्थैकारना

(b) आज्ञा पालन

- (c) फर्क करना  
(d) प्रभावित करना
181. निम्नलिखित में से कौन-से पर्यावरणीय कारक व्यक्तिगत को प्रभावित करते हैं?  
[HTET-2017]
- (a) सामाजिक कारक  
(b) सांस्कृतिक कारक  
(c) आर्थिक कारक  
(d) सभी विकल्प सही हैं
182. निम्नलिखित में से कौन-सा आयाम मानसिक विकास के तहत आता है। [HTET-2017]
- (a) भाषा (b) आकार  
(c) अनुसंग (d) ईमानदारी
183. निम्न में से किसे व्यक्तिगत की नैतिकता वाली भुजा कहेंगे?  
[HTET-2017]
- (a) उपाह (इड)  
(b) आत्मा (इगो)  
(c) पराह (सुपर-इगो)  
(d) इड तथा सुपर-इगो
184. सामान्य संयुक्त कोशिका में गुणसूत्रों के जोड़े होते हैं। [UPTET-2017]
- (a) 22  
(b) 23  
(c) 24  
(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं
185. गोलमैन निम्न में से किससे सम्बन्धित है?  
[UPTET-2017]
- (a) सामाजिक बुद्धि  
(b) संवेगात्मक बुद्धि  
(c) आध्यात्मिक बुद्धि  
(d) सामान्य बुद्धि
186. निम्न में से कौन-सा विकास का सिद्धान्त नहीं है?  
[UPTET-2017]
- (a) अनुकूलित प्रत्यावर्तन सिद्धान्त  
(b) निरन्तर विकास का सिद्धान्त  
(c) परस्पर सम्बन्ध का सिद्धान्त  
(d) समान प्रतिमान का सिद्धान्त
187. "विकास के परिणामस्वरूप नवीन विशेषताएँ और नवीन योग्यताएँ प्रकट होती हैं" यह कथन किसने दिया है। [UPTET-2017]
- (a) गेसेल  
(b) हरलॉक  
(c) मेरेडिथ  
(d) डगलस और होलैण्ड
188. ग्रन्थियों के आधार पर व्यक्तित्व के विभिन्न प्रकारों की चर्चा किसने की है?  
[UPTET-2017]
- (a) क्रेशमर  
(b) युंग  
(c) कैनन  
(d) स्प्रैन्जर
189. अन्तर्मुखी व्यक्तित्व एवं बहिर्मुखी व्यक्तित्व का वर्गीकरण किसने किया है। [UPTET-2017]
- (a) फ्रायड  
(b) युंग  
(c) मन  
(d) आलपोर्ट
190. बच्चों के सामाजिक विकास को प्रभावित करने वाले कारक हैं। [UPTET-2017]
- (a) आर्थिक तत्त्व  
(b) सामाजिक परिवेशजन्य तत्त्व  
(c) शारीरिक तत्त्व  
(d) वंशानुगत तत्त्व
191. निम्न में से कौन-सा शारीरिक विकास का एक प्रमुख नियम है। [UPTET-2017]
- (a) मानसिक विकास से भिन्नता का नियम  
(b) अनियमित विकास का नियम  
(c) द्रुतगामी विकास का नियम  
(d) कल्पना और संवेगात्मक विकास से सम्बन्ध का नियम
192. 'विद्रोह की भावना' की प्रवृत्ति निम्न में से किस अवस्था से सम्बन्धित है?  
[UPTET-2017]
- (a) बाल्यावस्था  
(b) शैशवावस्था  
(c) पूर्व किशोरावस्था  
(d) मध्य किशोरावस्था

## उत्तरमाला

1	(d)	21	(a)	41	(a)	61	(d)	81	(d)	101	(d)	121	(d)	141	(a)	161	(d)	181	(d)
2	(b)	22	(c)	42	(b)	62	(d)	82	(d)	102	(b)	122	(d)	142	(c)	162	(b)	182	(a)
3	(c)	23	(a)	43	(d)	63	(a)	83	(b)	103	(b)	123	(c)	143	(d)	163	(d)	183	(c)
4	(d)	24	(c)	44	(b)	64	(a)	84	(b)	104	(c)	124	(d)	144	(a)	164	(a)	184	(b)
5	(a)	25	(d)	45	(a)	65	(b)	85	(d)	105	(a)	125	(a)	145	(b)	165	(c)	185	(b)
6	(d)	26	(d)	46	(c)	66	(a)	86	(d)	106	(b)	126	(d)	146	(b)	166	(d)	186	(a)
7	(c)	27	(b)	47	(b)	67	(d)	87	(c)	107	(a)	127	(c)	147	(b)	167	(c)	187	(b)
8	(a)	28	(a)	48	(a)	68	(a)	88	(c)	108	(d)	128	(b)	148	(d)	168	(c)	188	(a)
9	(a)	29	(d)	49	(d)	69	(d)	89	(b)	109	(a)	129	(a)	149	(a)	169	(a)	189	(b)
10	(b)	30	(b)	50	(d)	70	(a)	90	(c)	110	(c)	130	(c)	150	(c)	170	(c)	190	(b)
11	(c)	31	(c)	51	(b)	71	(a)	91	(d)	111	(b)	131	(d)	151	(a)	171	(c)	191	(c)
12	(a)	32	(c)	52	(a)	72	(b)	92	(c)	112	(d)	132	(a)	152	(a)	172	(a)	192	(c)
13	(a)	33	(c)	53	(a)	73	(c)	93	(c)	113	(c)	133	(a)	153	(b)	173	(b)		
14	(d)	34	(a)	54	(b)	74	(b)	94	(d)	114	(d)	134	(c)	154	(c)	174	(b)		
15	(d)	35	(a)	55	(d)	75	(b)	95	(a)	115	(d)	135	(d)	155	(c)	175	(a)		
16	(c)	36	(b)	56	(c)	76	(c)	96	(b)	116	(b)	136	(b)	156	(d)	176	(b)		
17	(b)	37	(a)	57	(a)	77	(a)	97	(a)	117	(a)	137	(d)	157	(a)	177	(a)		
18	(b)	38	(c)	58	(a)	78	(a)	98	(b)	118	(a)	138	(d)	158	(b)	178	(a)		
19	(c)	39	(b)	59	(c)	79	(d)	99	(a)	119	(a)	139	(b)	159	(c)	179	(d)		
20	(d)	40	(d)	60	(b)	80	(b)	100	(d)	120	(d)	140	(b)	160	(a)	180	(a)		

## व्याख्या सहित उत्तर

38. (c) वाइगोट्स्की के अनुसार, किसी भी बालक के सर्वांगीण विकास में उसके सामाजिक अवस्था का महत्वपूर्ण योगदान होता है। उन्होंने बताया कि समाज से अन्तःक्रिया के फलस्वरूप ही बच्चों में विभिन्न प्रकार का विकास होता है।
39. (b) मानव विकास को निम्नलिखित क्षेत्रों में विभाजित किया गया है—
1. शारीरिक विकास - शरीर के बाह्य एवं आंतरिक परिवर्तनों के विकास से है। इसके अंतर्गत शरीर की लम्बाई, चौड़ाई एवं आंतरिक अंगों, जैसे—हृदय, मस्तिष्क इत्यादि की वृद्धि शामिल है।
  2. संवेगात्मक विकास - संवेग मूल प्रवृत्तियों से सम्बन्धित होते हैं। संवेग की स्थिति में विचार प्रक्रिया में शिथिलता आती है। भय, क्रोध, घृणा, वात्सल्य तथा आश्चर्य कुछ प्रमुख संवेग हैं।
  3. सामाजिक विकास - सामाजिक विकास के अंतर्गत व्यक्ति समाज के आदर्शों, मूल्यों एवं सामाजिक गुणों के विकास में आस्था रखना सीखता है।
40. (d) विकास की प्रक्रिया में बालक का शारीरिक, मानसिक, संवेगात्मक एवं सामाजिक विकास होता है। विकास एक क्रमिक तथा सतत प्रक्रिया के अंतर्गत होती है। विकास विभिन्न कारकों, जैसे वंशानुक्रम, वातावरण इत्यादि के ऊपर निर्भर करता है। अतः सभी में विकास की दर एक समान नहीं होती है।
44. (b) विकास प्रसव-पूर्व अवस्था से शुरू हो जाता है, लेकिन मनोवैज्ञानिक रॉस के अनुसार बालक के विकास की चार अवस्थाएँ होती हैं। शैशवावस्था (1-5 वर्ष), बाल्यावस्था (5 से 12 वर्ष), किशोरावस्था (12 से 18 वर्ष) तथा प्रौढ़ावस्था (18 वर्ष से ऊपर)
50. (d) जीन पियाजे ने अपने संज्ञानात्मक विकास को चार चरणों में बाँटा है। पूर्व-संक्रियात्मक (2-7 वर्ष) चरण में बच्चे में प्रतीकात्मक विचार विकसित होते हैं, वस्तु स्थायित्व उत्पन्न होता है।